भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
ल खत प्रश्न सं. †2362
सोमवार, 01 अगस्त, 2022/10 श्रावण, 1944 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

पर्यटन के क्षेत्र में सेवाप्रदाताओं का क्षमता निर्माण

†2362. श्री राहुल गांधीः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कः

(क) पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र के लए वशेष रूप से अनौपचारिक सेवाप्रदाताओं के लए जनशक्ति को प्र श क्षत करने के लए वर्तमान में कौन से कार्यक्रम लागू कए जा रहे हैं;

(ख) वायनाड संसदीय क्षेत्र सहित केरल में सेवाप्रदाता योजना के लए क्षमता निर्माण के तहत आयोजित प्र शक्षण कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या समुदाय आधारित पर्यटन पहलों का नेतृत्व करने के लए स्थानीय समुदायों को प्र श क्षत करने के लए कार्यक्रम लागू कए जा रहे हैं;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार का वचार वायनाड संसदीय क्षेत्र में कोई पर्यटन परिपथ वक सत करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. कशन रेड्डी)

(क) और (ख): पर्यटन मंत्रालय पर्यटन सेवा प्रदाताओं को शक्षा , प्र शक्षण और प्रमाणन प्रदान करने के लक्ष्य से पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्रों में सूचीबद्ध कार्यान्वयन एजें सयों के माध्यम से अनेक अल्पका लक कौशल वकास प्र शक्षण कार्यक्रम चलाता है।

वायनाड संसदीय क्षेत्र सहित केरल राज्य में सेवाप्रदाताओं के लए क्षमता निर्माण योजना (सीबीएसपी) के अन्तर्गत निम्न ल खत कौशल , पुनः कौशल तथा कौशल उन्नयन कार्यक्रम आयोजित कए जाते हैं:-

हुनर से रोजगार तक (कौशल):- यह कार्यक्रम वर्तमान में आतिथ्य और पर्यटन क्षेत्र में कुल ग्यारह अल्पका लक पाठ्यक्रमों की पेशकश करता है।

कौशल परीक्षण एवं प्रमाणन (पुन: कौशल):- यह कार्यक्रम चार आतिथ्य ट्रेड्स में मौजूदा सेवा प्रदाताओं के परीक्षण और प्रमाणन के लए है।

उद्य मता कार्यक्रम (कौशल उन्नयन):- यह कार्यक्रम 'सेवा प्रदाताओं के लए क्षमता निर्माण' योजना के अन्तर्गत सूक्ष्म एवं लघु व्यासायिक स्टार्ट-अप्स की सहायता के उद्देश्य से शुरू कया गया था। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत (i) कुक-तंदूर, (ii) बारमैन, (iii) बेकर, (iv) होम स्टे (मल्टी स्किल्ड केयरटेकर) और हलवाई- भारतीय मष्टान्न के ट्रेड्स में 150 घंटे के पाँच पाठ्यक्रमों की पेशकश की जाती है।

पर्यटन एडवेंचर पाठ्यक्रम (पुन: कौशल):- पर्यटन मंत्रालय ने वत्तीय वर्ष 2018-19 में क्षेत्र आधारित व शष्ट रूप से संर चत एडवेंचर कौशल वकास पाठ्यक्रमों के संवर्धन के लए युवाओं में क्षमता वकास के उद्देश्य से पर्यटन एडवेंचर तथा एस्कॉर्ट पाठ्यक्रमों की शुरूआत की है। इनमें पैरा से लंग , ट्रै कंग, हॉट एयर बैलूनिंग तथा पर्यटन एस्कॉर्ट पाठ्यक्रम शा मल हैं। यह कार्यक्रम आईआईटीटीएम द्वारा आईआईएसएम के जरिए चलाया जाता है।

भाषायी पर्यटक सु वधा प्रदाता:- व भन्न वदेशी भाषाओं में प्र श क्षत श्रमशक्ति के सृजन के लए डच, जर्मन, फ्रेंच, जापानी, चीनी, वयतनामी, थाई आदि भाषाओं में 6 सप्ताह के भाषा पाठ्यक्रम।

अतुल्य भारत पर्यटक सु वधाप्रदाता पाठ्यक्रम (आईआईटीएफसी):- पर्यटन मंत्रालय ऑनलाइन अतुल्य भारत पर्यटक सु वधाप्रदाता पाठ्यक्रम (आईआईटीएफसी) चलाता है -बे सक, एडवांस (वरासत तथा एडवेंचर), मौ खक भाषा और पुनश्चर्या पाठ्यक्रम सखाए जाते हैं। अभी तक कुल 3795 प्रत्या शयों को सफलतापूर्वक प्रमाणन प्रदान कया गया है।

इस योजना के अन्तर्गत मौजूदा सेवा प्रदाताओं के लए पर्यटन जागरूकता/संवेदीकरण कार्यक्रम भी चलाए जाते हैं।

(ग) और (घ): पर्यटन मंत्रालय ने वत्तीय वर्ष 2019-20 में 7 प्रतिष्ठित स्थलों अर्थात आगरा में ताजमहल , दिल्ली में हुमायूँ का मकबरा , लाल कला, कुतुब मीनार, बिहार में महाबो ध मंदिर, गोवा में कोल्वा बीच और असम में काजीरंगा में गंतव्य आधारित कौशल वकास प्र शक्षण कार्यक्रम की शुरूआत की है।

इस पहल के अन्तर्गत वत्तीय वर्ष 2020-21 में 44 गंतव्यों में कुल 3715 प्र शक्षुओं को प्र श क्षत/प्रमा णत कया गया है। गंतव्यों की सूची अनुबंध-I में दी गई है।

वत्तीय वर्ष 2021-22 में 48 गंतव्यों में कुल 3709 व्यक्तियों को प्र शक्षण दिया गया था। गंतव्यों की सूची अनुबंध-II में दी गई है।

(ड.): पर्यटन अवसंरचना का वकास मुख्य रूप से राज्य/संघ राज्यक्षेत्र (यूटी) सरकार की जिम्मेदारी है। पर्यटन मंत्रालय देश में पर्यटन अवसंरचना के वकास के लए केरल राज्य सहित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र (यूटी) प्रशासनों को 'स्वदेश दर्शन' योजना के तहत वत्तीय सहायता प्रदान करता है। इस योजना के अन्तर्गत नि धयों की उपलब्धता , उपयुक्त वस्तृत परियोजना रिपोर्टों (डीपीआर) की प्रस्तुति , योजना दिशा-निर्देशों के अनुपालन और पहले जारी की गई नि धयों की उपयो गता की शर्त पर परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की जाती है।

पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटक एवं गंतव्य केन्द्रित दृष्टिकोण के साथ देश में स्थायी तथा जिम्मेदार पर्यटन गंतव्यों के वकास के लए अब स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के रूप में अपनी स्वदेश दर्शन योजना को नया रूप दिया है।

****

अनुबंध -

पर्यटन के क्षेत्र में सेवाप्रदाताओं का क्षमता निर्माण के सम्बन्ध में दिनांक 01**.08.2022** के लोक सभा के ल खत प्रश्न सं. +2362 के भाग (ग) और (घ) के उत्तर में ववरण

क्र. सं.	गंतव्य का नाम	राज्य
1	मालनिथन	अरुणाचल प्रदेश
2	दूरर्जि लंग	अरुणाचल प्रदेश
3	जीरो , लोअर सुबन सरी	अरुणाचल प्रदेश
4	नामसाई , नामसाई जिला	अरुणाचल प्रदेश
5	काजीरंगा	असम
6	कामाख्या मंदिर	असम
7	वैशाली	बिहार
8	अग्रसेन की बावली	दिल्ली
9	ब्रह्म सरोवर	हरयाणा
10	शेख चल्ली का मकबरा	हरयाणा
11	रॉक-कट मंदिर	हिमाचल प्रदेश
12	मैकलोडगंज	हिमाचल प्रदेश
13	भेड़ाघाट	जबलपुर
14	पतरातू	झारखंड
15	मंगो लया सनसेट प्वाइंट	झारखंड
16	हम्पी	कर्नाटक
17	श्री पद्मनाबास्वामी मंदिर	केरल
18	बेकल कला	केरल
19	ग्वा लयर का कला	मध्य प्रदेश
20	ओरछा	मध्य प्रदेश
21	भीमबेटका के प्रागैतिहा सक शैलाश्रय	मध्य प्रदेश
22	पन्ना	मध्य प्रदेश
23	एलीफेंटा गुफाएं	महाराष्ट्र
24	चेरापूंजी	मेघालय
25	ल वंग रूट ब्रिज	मेघालय
26	फ़ॉकलैंड, आइज़वाल	मजोरम
27	फौंगपुइ राष्ट्रीय उद्यान त्लैंग (लॉन्ग्टलाई)	मजोरम

28	लयानछियारी लुंगलेन त्लैंग, डुंगटलांग (चम्फाई)	मजोरम
29	रीक (म मत)	मजोरम
30	आनंदपुर साहिब	पंजाब
31	स्वर्ण मंदिर अमृतसर	पंजाब
32	अम्बेर फोर्ट	राजस्थान
33	कैलाश नाथ मंदिर, कांचीपुरम	त मलनाडु
34	महाबलीपुरम	त मलनाडु
35	रामेश्वरम	त मलनाडु
36	रामप्पा मंदिर, वारंगल	तेलंगाना
37	गोलकोंडा कला, हैदराबाद	तेलंगाना
38	वैष्णोदेवी (कटरा)	संघ राज्यक्षेत्र जम्मू और कश्मीर
39	भदेरवाह	संघ राज्यक्षेत्र जम्मू और कश्मीर
40	पहलगाम	संघ राज्यक्षेत्र जम्मू और कश्मीर
41	लेह पैलेस	संघ राज्यक्षेत्र लद्दाख
42	ताज महल, आगरा	उत्तर प्रदेश
43	बद्रीनाथ	उत्तराखंड
44	गंगोत्री	उत्तराखंड

******

अनुबंध- ◻◻

पर्यटन के क्षेत्र में सेवाप्रदाताओं का क्षमता निर्माण के सम्बन्ध में दिनांक 01.**08.2022** के लोक सभा के ल खत प्रश्न सं. +2362 के भाग (ग) और (घ) के उत्तर में ववरण

क्र.सं.	गंतव्य का नाम	राज्य
1	भगवान वेंकटेश्वर मंदिर	आंध्र प्रदेश
2	काजीरंगा	असम
3	कामाख्या मंदिर	असम
4	हरिहर नाथ मंदिर, सोनपुर, बिहार	बिहार
5	मैकलोडगंज	हिमाचल प्रदेश
6	रॉक कट गार्डन	हिमाचल प्रदेश
7	पतरातू , झारखंड	झारखंड
8	नेतरहाट	झारखंड
9	देवरी मंदिर	झारखंड
10	हम्पी	कर्नाटक
11	सर्वगोलोबेला	कर्नाटक
12	मैसूर पैलेस अंबास वलास	कर्नाटक
13	नेय्यर, त्रिवनंतपुरम	केरल
14	पोनमुडी, त्रिवनाथपुरम	केरल
15	अचनकोली कोल्लम	केरल
16	थेक्कडी, इडुक्की	केरल
17	वागामोन, इडुक्की	केरल
18	गवी, इडुक्की	केरल
19	ओरछा	मध्य प्रदेश
20	भेड़ाघाट	मध्य प्रदेश
21	ग्वा लयर का कला	मध्य प्रदेश
22	सतना	मध्य प्रदेश
23	पन्ना	मध्य प्रदेश
24	छतरपुर	मध्य प्रदेश
25	भोजपुर	मध्य प्रदेश
26	गेटवे ऑफ इं डया	महाराष्ट्र
27	ल वंग रूट ब्रिज चेरापूंजी	मेघालय

28	मावफलांग सक्रेड ग्रोव	मेघालय
29	चंद्रभागा, कोणार्क	ओ डशा
30	शीश महल, पटियाला	पंजाब
31	कला मुबारक	पंजाब
32	महाबलीपुरम	त मलनाडु
33	कैलाश नाथ मंदिर, कांचीपुरम	त मलनाडु
34	याद गरिगु ा मंदिर	तेलंगाना
35	वैष्णोदेवी (कटरा)	संघ राज्यक्षेत्र जम्मू और कश्मीर
36	कुपवाड़ा	संघ राज्यक्षेत्र जम्मू और कश्मीर
37	बनिहाल	संघ राज्यक्षेत्र जम्मू और कश्मीर
38	भदेरवाह	संघ राज्यक्षेत्र जम्मू और कश्मीर
39	मंतलाई	संघ राज्यक्षेत्र जम्मू और कश्मीर
40	पहलगाम	संघ राज्यक्षेत्र जम्मू और कश्मीर
41	डल झील, श्रीनगर	संघ राज्यक्षेत्र जम्मू और कश्मीर
42	लेह पैलेस	संघ राज्यक्षेत्र लद्दाख
43	चत्रकूट	उत्तर प्रदेश
44	फतेहपुर सीकरी	उत्तर प्रदेश
45	वाराणसी	उत्तर प्रदेश
46	मथुरा	उत्तर प्रदेश
47	ताजमहल, आगरा, उ. प्र.	उत्तर प्रदेश
48	गंगोत्री	उत्तराखंड

*****